तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कोरबा भूमि

बिलासपुर, शनिवार 2 अगस्त 2025

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

3

रचना ग्रुप पनिका समाज ने मनाई हरियाली तीज

खबर संक्षेप

सेवानिवृत होने पर वरिष्ठ व्याख्याता को दी गई विदाई

कोरबा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडा कोरबा में वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती रमा कर्मकार 36 वर्ष की की सेवा के पश्चात सेवानिवृत हुई। ममता, प्रेम, दयालुता, मृदुलता, विचारशीलता, सात्विक गुणों की खान श्रीमती रमा कर्मकार ने अपनी शासकीय सेवा 13 सितंबर 1989 को उच्च वर्ग शिक्षक के रूप में बोड़सरा जिला नैला-जांजगीर से प्रारंभ किया। 2 जुलाई 1993 को उच्च वर्ग शिक्षक के रूप में ही शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल बालको में स्थानांतरण हुआ। 20 अगस्त 2008 से 25 फरवरी 2011 तक माध्यमिक शाला सेक्टर 4 बालको नगर में प्रधान पाठक के पद पर अपनी सेवाएं दी। 25 फरवरी 2011 से 2 नवंबर 2015 तक विभागीय परीक्षा द्वारा चयनित होकर प्रभारी सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोरबा (मूल पद व्याख्याता) के पद पर कार्य किया। 2 नवंबर 2015 को उक्त पद से कार्यमुक्त होकर 3 नवंबर 2015 को व्याख्याता के मूल पद पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडा में आगमन हुआ। विद्यार्थियों एवं विद्यालय के प्रति अपने दायित्वों के निर्वाह के साथ 31 जुलाई को अर्धवार्षिक की आयु पूर्ण कर सेवा निवृत हुई।

स्कूल अहाता निर्माण के लिए 19 लाख की मिली स्वीकृति

हरदीबाजार। विकासखंड कटघोरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुढ़ाली के हाईस्कूल के छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को लंबे समय से सरकारी हाईस्कूल में अहाता की समस्या से जूझ रहे थे। ग्रामीणों ने इस समस्या से सांसद ज्योत्सना महंत को अवगत कराया। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने ग्राम पंचायत मुढ़ाली के हाईस्कूल में 380 मीटर आहात निर्माण के लिए 19.50 लाख की स्वीकृति राशि दी, इससे अध्यनरत 9वीं व 10वीं के छात्रों को खेलकूद करने व अन्य मनोरंजन व शारीरिक व्यायाम के लिए एक सुरक्षित वातावरण भी मिलेगा। यह विद्यायल में रोड़ किनारे स्थित है, इसलिए सुरक्षा के दृष्टि से अहाता निर्माण बेहद जरूरी था। इस अवसर पर श्रवण कुमार कश्यप, शिव राठौर, राम दुलार कश्यप, कृष्ण कुमार श्रीवास, सजीवन यादव, नरोत्तम सूरज, रवि सिंह चौहान, सरजू कश्यप, लालाराम यादव, ओमप्रकाश कश्यप, ठंडाराम लदेर, सालिक कश्यप, लखन राठौर सहित सभी ग्रामवासियों ने सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत का आभार जताया।

सोसाइटी भवन बनाने किया गया भूमिपूजन

कोरबा। पाली पंचायत ग्राम सोनपुरी में शुक्रवार को सरपंच रमसिल्ला संतलाल कंवर, जिला पंचायत सभापति विनोद यादव, उपसरपंच बलराम यादव ने चावल गोदाम के लिए भूमि पूजन किया गया। इससे पूर्व पाली पंचायत मे चावल का वितरण किया जाता है, अब सोमपुरी में नया सोसाइटी भवन बनने के बाद ग्राम सोनपुरी में चावल वितरण किया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में ग्राम पंच मुनि पटेल, संतोषी बाई, गायत्री देवी, पूर्णिमा बाई शंकर यादव, प्यारे लाल यादव सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एक ऐसा स्कूल जो 9 वर्षों से बिना दाखिल खारिज रजिस्टर के हो रहा संचालित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्राथमिक शाला पटेलपारा तरदा का मामला

खास बातें

- वर्ष 2016 से नहीं बना है स्कूल का दाखिल खारिज रजिस्टर
- छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

जिले में एक शासकीय स्कूल ऐसा है जिसका पिछले 9 वर्षों से बिना दाखिल खारिज रजिस्टर के ही संचालन किया जा रहा है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्कूल में अध्यनरत छात्रों को प्रवेश कैसे हो रहा होगा और उन्हें टीसी कैसे दिया जा रहा होगा।

अलग खबर

मामला करतला विकासखंड के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला पटेलपारा तरदा का है। जहाँ का दाखिल खारिज रजिस्टर वर्ष 2016 से बना ही नहीं है। अभी तक आपने सुना होगा कि कागजों में संचालित हो रहा स्कूल भौतिक रूप में नहीं, अब आपको देखने को मिलेगा स्कूल भौतिक रूप में है पर दस्तावेज नहीं। शासकीय प्राथमिक शाला तरदा (पटेल पारा) में सत्र 2016 से दाखिल खारिज रजिस्टर नहीं है। जबकि बिना दाखिल खारिज रजिस्टर के न तो किसी बच्चे का प्रवेश हो सकता है और न ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र बन सकता है। अब सोचने वाली बात यह है कि पिछले 9 वर्षों से बिना दाख़लि खारिज रजिस्टर के यह विद्यालय चल कैसे रहा है? कोई भी बच्चा उस विद्यालय से उत्तीर्ण होकर अन्य विद्यालय में जाएगा तो उसको स्थानांतरण प्रमाण पत्र की जरूरत होगी और स्थानांतरण प्रमाण पत्र में दाखिल और खारिज नंबर का उल्लेख होता है। अब सोचने वाली बात यह है कि पिछले 9 वर्षों में कितने सारे बच्चे उस विद्यालय से निकल चुके होंगे तो उनको बिना दाखिल खारिज रजिस्टर के कैसे स्थानांतरण प्रमाण पत्र दिया गया। प्रति वर्ष हर विद्यालय का कई बार निरीक्षण होता है और निरीक्षण पंजी में निरीक्षणकर्ता द्वारा अपना टीप लिखकर हस्ताक्षर किया जाता है। निरीक्षण अधिकतर संकुल प्रभारी और समन्यवक द्वारा किया जाता है और कई बार बीईओ और डीईओ के द्वारा भी निरीक्षण कराया जाता है। निरीक्षण में स्कूल की सारी जानकारी ली जाती है तो क्या निरीक्षणकर्ताओं को अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिली कि विद्यालय इतने वर्षों से बिना दाखिल खारिज पंजी के चल रही है या इनके द्वारा निरीक्षण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति किया गया है। इस प्रकार की गलती यदि किसी भी निजी विद्यालय द्वारा की जाती तो शिक्षा विभाग द्वारा अब तक उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चूंकि विद्यालय शासकीय है शायद इसलिए विभाग के द्वारा अब तक इस मामले को दबा के रखा गया है और संबंधित के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

कोरबा वनमंडल के कुदमुरा वन परिक्षेत्र के ग्राम बैगामार का मामला

हूकिंग कर कटे तार से खेत में खींच रखी थी बिजली, हाथी की मौत, तीन ग्रामीण गिरफ्तार

लगातार करंट से हाथियों की मौत, सवाल उठ रहा है सिस्टम पर

मृत दंतैल हाथी।

मौके पर वन विभाग के अफसर।

वन विभाग की गिरफ्त में ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोरबा वनमंडल में विचरण कर रहे हाथियों के झुंड में से एक दंतैल हाथी खेत में लगे करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गया जिससे रात को उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने अपने खेत में लगे बोरवेल को चलाने के लिए खुले तार से कनेक्शन खींचा था जिसके चलते दंतैल हाथी की मौत हुई है। जैसे ही वन विभाग के कानों तक यह बात पहुंची वन विभाग में हड़कंप मच गया और रात को ही वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और करंट का जाल बिछाने वाले तीन ग्रामीणों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले एक सप्ताह से कोरबा वनमंडल के कुदमुरा वन परिक्षेत्र में दो दर्जन हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है और लगातार जान माल को नुकसान पहुंचा रहा है। बताया जाता है कि कुदमुरा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बैगामार में निवास करने वाले ग्रामीणों ने अपने खेत में बोरवेल चलाने के लिए विद्युत पोल से सीधा कनेक्शन लिया था जिसका तार बीच-बीच में खुला हुआ था। गुरुवार की रात दंतैल हाथी खेत से पार होकर जा रहा था कि खुले हुए तार के संपर्क में आ गया और उसकी मौत हो गई। देर रात जैसे ही वन विभाग के अफसर को इसकी सूचना मिली महकमे में हड़कंप मच गया और दौड़े दौड़े अफसर जंगल जा धमके और प्रारंभिक जांच पड़ताल के बाद वन विभाग की टीम ने अपने खेतों तक खुले नंगे तार से करंट प्रवाहित करने वाले ग्राम बैगामार में निवास करने वाले तीन ग्रामीणों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए ग्रामीणों में ग्राम बैगामार निवासी टीकाराम राठिया उम्र 55 वर्ष, उसका पुत्र कृष्णराम राठिया उम्र 28 वर्ष, बालूराम राठिया उम्र 52 वर्ष पिता दशाराम को वन विभाग ने वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

रेंजर और बीट प्रभारियों को कैसे नहीं लगी भनक

सूत्र बताते हैं कि जिन ग्रामीणों को वन विभाग ने गिरफ्तार किया है। वह ग्रामीण अपने खेतों में बोरवेल में कनेक्शन पहुंचाने के लिए गांव के अंतिम पोल से ही कनेक्शन खींचा हुआ था और प्रतिदिन हूकिंग कर कनेक्शन लिया जाता था और इसी के माध्यम से खेतों में बिजली सप्लाई पहुंचाई जाती थी और बोरवेल को संचालित किया जाता था लेकिन पिछले कई दिनों से बैगामार में ही हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है लेकिन दुर्भाग्य है कि कुदमुरा वन परिक्षेत्र अधिकारी घुटुरु साय पैकरा और ना ही बीट प्रभारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी कि किसी ने इस तरह की हूकिंग की जा रही थी। यदि समय रहते वन विभाग के अफसर फील्ड में तैनात रहते तो इस तरह की स्थिति निर्मित नहीं होती और ना ही हाथी की जान जाती। वन विभाग के अधिकारी अब भले ही विद्युत वितरण विभाग के अधिकारियों पर दोष मढ़ रहे हैं लेकिन वरिष्ठ अफसरों को मामले में संज्ञान लेते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी के साथ-साथ बीट प्रभारी के खिलाफ भी जांच करना चाहिए कि आखिर उन्हें इसके बारे में पता कैसे नहीं चला। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि इस मामले में दोषी कौन है और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

समरकना में भी 1 साल पहले ही हाथी की हुई थी मौत

कुदमुरा रेंज में करंट लगने से लगभग 1 साल पूर्व ग्राम समरकना में एक नर हाथी की मौत हुई थी। इस घटना को लगभग 1 साल भी नहीं हो पाया है कि फिर से कुदमुरा रेंज में ही करंट लगने से दूसरे हाथी की मौत हो गई है। लगातार करंट लगने से इस क्षेत्र में वन्य जीव की मौत हो रही है लेकिन वन विभाग के अफसर ने समरकना में जब दंतैल हाथी की मौत हुई थी। इस मामले में बिजली कर्मचारियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया था और उसे न्यायिक रिमांड में जेल भी भेजा गया था। अब फिर से हाथी की मौत करंट लगने से हुई है जिसमें 3 ग्रामीणों की गिरफ्तारी भी हुई है लेकिन गिरफ्तारी कर लेने से ही मामला रफा दफा नहीं होता बल्कि वन विभाग के वरिष्ठ अफसर को मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए और वन विभाग के जिम्मेदार अफसर, रेंज अफसर व बीट प्रभारी के खिलाफ भी जांच करनी चाहिए कि आखिर पिछले कई दिनों से जब हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है तो आखिर उन्होंने क्षेत्र में निगरानी के साथ-साथ करंट प्रवाहित तार की भनक उन्हें कैसे नहीं लगी।

सीसीएफ वाइल्डलाइफ ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

हाथी की मौत की खबर जैसे ही राजधानी रायपुर तक पहुंची रायपुर में भी वन अफसरों में हड़कंप मच गया और शुक्रवार को वाइल्डलाइफ सीसीएफ मनोज पांडे, कटघोरा वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत, एसडीओ एसके सोनी सहित अन्य अधिकारी दल बल सहित मौके पर पहुंचे और उनकी उपस्थिति में घटनास्थल पर ही मृत हाथी का अंतिम संस्कार विधि विधान से किया गया। साथ ही घटना की सूचना मिलने पर रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया भी मौके पर पहुंचे थे जहां उन्होंने पूजा अर्चना कर अधिकारियों को मामले में उचित जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी जारी किया है।

रूचि की अभिव्यक्ति हेतु आवेदन 12 तक

कोरबा। नीति आयोग भारत सरकार के पत्र क्रमांक ए-8-2023-एडमिनिस्ट्रेशन (पार्ट 1) 6 फरवरी के आलोक में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अन्तर्गत जिले के आकांक्षी ब्लॉक कोरबा एवं पोंड़ी उपरोड़ा के लिए कुल 2 आकांक्षात्मक ब्लाक साथी का पत्र मौजूदा संविदा से आउटसोर्सिंग प्रक्रिया में परिवर्तित करने के प्राप्त निर्देश के आलोक में आउटसोर्सिंग एजेंसी/एन.जी.ओ. के चयन के लिए नियमानुसार निर्धारित प्रारूप में रूचि कि अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। इच्छुक आवेदक द्वारा अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में सीलबंद लिफाफे में 12 अगस्त के शाम 5 बजे तक जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय, कलेक्टोरेट में जमा किया जा सकता है। प्राप्त आवेदनों को सायं 5.30 बजे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सह अध्यक्ष आकांक्षी ब्लॉक फेलो, आउट सोर्सिंग समिति कोरबा के कार्यालय कक्ष में निर्णय हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जायेगा।

लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में ली गई बैठक

कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर की आवश्यक तैयारियों के संबंध में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा की अध्यक्षता में विभागी अधिकारियों की बैठक शुक्रवार की सुबह 10.30 आयोजित की गई। उक्त बैठक के माध्यम से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष द्वारा नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होने वाले राजस्व न्यायालयों के विभिन्न प्रकरण, नगर निगम के जलकर, संपत्तिकर के मामलें एवं चालानी प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित प्रीलिटिगेशन हेतु कर निराकृत करते हेतु सार्थक प्रयास हेतु निर्देशित किया गया।

रसोइया एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं ने दी हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में डीएम फंड से विगत 1 वर्ष से नाश्ता का संचालन किया जा रहा है, जिसमें पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में नाश्ता का संचालन राशि एवं रसोईया का मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे रसोइयों ने आवश्यक बैठक रखा और यह निर्णय लिया है कि अगर नाश्ता का पिछला मानदेय और संचालन राशि का भुगतान एक सप्ताह में नहीं किया तो पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में रसोईया एवं स्व सहायता समूह हड़ताल पर जाएंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुनीता मेरी ब्लॉक अध्यक्ष बसंती बाई सचिव मीना श्याम, सरोज, पार्वती सहित सभी महिला समूह उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा जनजागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

यातायात पुलिस द्वारा सजग चालक, सुरक्षित गति अभियान के तहत सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों में जिम्मेदारी की भावना जागृत करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। हर वर्ष तेज गति और लापरवाही के कारण हजारों जिंदगियाँ सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाती हैं। एक पल की जल्दबाज़ी कई बार अपनों से हमेशा के लिए जुदाई का कारण बन जाती है। आंकड़ों के अनुसार 67 प्रतिशत सड़क हादसों का मुख्य कारण तेज गति है। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित गति सीमा में सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, पैदल चलने वालों का सम्मान करें और जेब्रा क्रॉसिंग का पालन करें। पुलिस अधीक्षक ने सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों और ट्रैफिक पॉइंट्स पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने कहा- जब तक पूरी सड़क नहीं तब तक टोल टैक्स नही

अधिक टोल राशि को लेकर जनप्रतिनिधियों ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरेली

टोल टेक्स पर हंगामा मचाते हुए जनप्रतिनिधि एवं अन्य।

एनएच 149(बी) चांपा कोरबा रोड जमनीपाली टोल प्लाजा को चालू हुए चार ही दिन हुए है और विवाद होना प्रारम्भ हो गया है। बीतें दिवस को स्थानीय भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष भाजपा पिवमो व पूर्व बीडीसी झामलाल साहू, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र बिंझवार, ऋषभ राठौर, मनोज, संतोष राठौर, सूर्यकान्त राठौर सहित जनप्रतिनिधि और आसपास के ग्रामीण टोल प्लाजा पहुंच गए और लोकल गाड़ी से अधिक राशि लेने का विरोध करने लगे तथा कर्मचारियों के द्वारा गाली देकर अभद्र व्यवहार किया गया। अभद्र व्यवहार को लेकर कर्मचारी को बाहर निकालने के लिए जमकर हंगामा हुआ, जिस पर टोल के अधिकारी ने इसका खंडन किया। टोल अधिकारियों ने कहा कि हमारे कर्मचारी गाली गलौच नहीं किये है। भाजपा नेता झामलाल साहू ने कह कि लोकल गाड़ी वालों को मासिक पास दिया जाए, टोल में छूट दिया जाए स्कूल वाहन 4-5 किलोमीटर की दूरी से बच्चों को लेने के लिए कई बार आना जाना पड़ता है और आसपास के निवासी हैं, इसलिए अन्य वाहनों जैसे शुल्क नहीं देंगें। भाजपा नेता झामलाल साहू ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक ज्ञानेश्वर पार्लवार से मिलकर स्थानीय बेरोजगारों को नौकरी मे रखने के लिए बोले साथ ही केंद्र सरकार की न्यूनतम मजदूरी 526 रुपया तहत भुगतान करवाने के लिए कहा। अभी वहां कर्मचारियों को 283 रुपया की दर से दिया जा रहा है। उरगा के पास रोड पूरा नहीं बना है, लैंको अडानी पावर प्लांट के सामने परिवर्तित मार्ग अधूरा है। कई गांव के एप्रोच मार्ग का डामरीकरण नहीं किया गया है और टोल को चालू किये हैं, जिसका विरोध किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक रोड पूरा नहीं बनेगा तब तक हम टोल टैक्स नही देंगें। इस प्रकार से अनियमितता बरतते हुए टोल प्लाजा को चालू कर दिया गया है। भाजपा नेता श्री साहू ने कहा यदि मांगो पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन कर चक्काजाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जमनीपाली टोल प्लाजा को पूर्णतः बंद करने केंद्रीय परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। भारत सरकार के शुल्क नियम 2008 के अनुसार दो निकटवर्ती टोल प्लाजा के बीच की दूरी 60 किलोमीटर होनी चाहिए, लेकिन उरगा भारत माला टोल प्लाजा की दूरी 25 किलोमीटर है और जेठा केसला टोल की दूरी 35 किलोमीट है। भाजपा नेता झाम लाल साहू ने कहा कि जमनीपाली टोल को बंद करना चाहिए।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई

ITI KORBA

Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)

भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट

REGISTRATION OPEN

• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)

• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)

सेकेण्ड फ्लोर, एस.एस. प्लाजा, पावर हाउस रोड, कोरबा (छ.ग.)

89595-93920 • 89595-44444

खबर संक्षेप

स्वच्छता पखवाड़ा पर प्रभात फेरी आज

बिलासपुर। स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के तहत 1 से 15 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जोनल मुख्यालय में पहले दिन शुक्रवार को एसईसीआर के जोन महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने सभी विभागाध्यक्ष एवं रेल स्टाफ को स्वच्छता पखवाड़ा की सामूहिक शपथ दिलाई। इसमें अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। 2 अगस्त को प्रभात फेरी व नुक्कड़ नाटक, 3 अगस्त को स्वच्छता विषय पर जागरूकता गतिविधियां, 4 से 15 अगस्त को स्वच्छता पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें रेल परिसर और आसपास के इलाके में संयुक्त श्रमदान के प्रयास स्टेशन परिसर और उसके आसपास की सफाई के लिए स्थानीय हस्तियों, प्रभावशाली लोगों को शामिल किया जाएगा। रेलवे स्टेशन पर पीए सिस्टम और ट्रेन में घोषणाओं के माध्यम से कोच व स्टेशन को साफ रखने में यात्रियों का सहयोग लिया जाएगा।

अवैध कब्जा रोकने शुरू किया वन भूमि सर्वेक्षण

बिलासपुर। वनभूमि एवं छोटे-बड़े झाड़ के जंगलों की जमीन अवैध कब्जे से बचाने के उद्देश्य से वन भूमि सर्वेक्षण शुरू किया गया है। उक्त सर्वेक्षण राजस्व विभाग एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। एक माह के भीतर सर्वेक्षण समाप्त कर इसकी जानकारी शासन को भेजी जानी है। शासन की वन भूमि बेजा कब्जे की भेंट चढ़ चुकी है। अब शेष बची जमीन को सुरक्षित रखने वन भूमि सर्वेक्षण किया जा रहा है। वन विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किये जाने वाले इस सर्वेक्षण की विस्तृत रिपोर्ट एक महीने के भीतर राजस्व सचिव के समक्ष भेजी जाएगी। सचिव स्तर से हरी झंडी मिलने के बाद भूमि का चिंहांकन कर नक्शा तैयार कर भुइयाँ पोर्टल में भी अपलोड किया जाएगा। अधीक्षक भू अभिलेख केएस यादव ने बताया कि सर्वे का काम शुरू किया जा चुका है, जिसे एक महीने में पूरा कर शासन को जानकारी भेजी जानी है।

किशोर कुमार की जयंती पर गायन 4 को

बिलासपुर। किशोर कुमार की जयंती पर 4 अगस्त को आर्केस्टा हार्टबीट द्वारा लखीराम अग्रवाल सभागार में फाइनल होने जा रहा है। इसमें प्रतिभागी अपनी गायन से किशोर कुमार के संगीतमय योगदान से उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। इसे सफल बनाने के लिए पीटर मुदलियार, अमन कुलपहाड़ी, दीपक मिश्रा, मधु सुदन, बबलू गंधर्व, भुपेन्द्र मनहरे, एलिशा मुदलियार जैसे उत्साही आयोजकों की टीम तैयारी में जुटी है। आयोजन समिति ने श्रोताओं से इस कार्यक्रम में शामिल होकर गायन प्रतियोगिता का आनंद उठाने की अपील की है।

प्राचार्य पदोन्नति पर सुनवाई सोमवार को

बिलासपुर। हाईकोर्ट में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल के कोर्ट में प्राचार्य पदोन्नति पर सुनवाई अब सोमवार को होगी। पिछले चार दिनों तक चली सुनवाई में याचिकाकर्ता और शासन की ओर से अपना पक्ष रखा जा चुका है। शासन की ओर से कहा गया कि प्रधान पाठक मिडिल स्कूल के सेवा को 5 वर्ष के अनुभव हेतु पात्रता के लिए रखा है, प्रधान पाठक पद से व्याख्याता कोटे में सीनियरिटी देने का नियम नहीं है। डबल बैंच में यही डायरेक्शन है।

सफाई कर्मचारी दूसरे दिन भी नहीं लौटे काम पर

अम्बिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सफाई व्यवस्था ठेका पर देने के विरोध में आज दूसरे दिन भी अस्पताल के सफाई कर्मचारी काम पर नहीं लौटे और अस्पताल परिसर में धरना प्रदर्शन किया। हालांकि आज से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था ठेका से होने पर ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ। ठेका कंपनी के अधीन नियुक्त हुए सफाई कर्मचारियों ने वार्ड सहित अस्पताल परिसर की सफाई की।

ग्राम सभाओं के भरोसे राज्य भर के 30 शहरों के मास्टर प्लान, पेसा ने रोका काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में पेसा कानून को मंजूरी मिलने के बाद सड़क, बिजली, पानी, राजस्व, उद्योगों के फैसले ग्राम सभाओं के भरोसे हो गए हैं। इसी कारण 30 से अधिक जगहों के मास्टर प्लान पर भी फिलहाल ब्रेक सा लग गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने इन शहरों के मास्टर प्लान को तैयार तो कर लिया है लेकिन अब जब तक ग्राम सभा इसे अनुमति नहीं देती तब तक इसे विधिपूर्वक लागू नहीं किया जा सकता। बिलासपुर संभाग की बात करें तो इसी कारण कोटा, सूरजपुर, लखनपुर, दीपका और अंबिकापुर का मास्टर प्लान रोक दिया गया है। अधिकारी अब इन क्षेत्रों के आदिवासियों को मनाने में जुटे हैं। जल्द ही ग्रामसभा की बैठक बुलाने और उस पर फैसले की कोशिश की जा रही है। दो साल पहले से इन शहरों के मास्टर प्लान तैयार है लेकिन उसे अंतिम रूप नहीं दिया जा रहा है।

अलग खबर

ज्ञात हो कि कांग्रेस सरकार ने पिछले साल ही कैबिनेट की बैठक में पेसा कानून पर मुहर लगाई थी। इस फैसले का असर बिलासपुर, सरगुजा, रायगढ़, बस्तर और कांकेर लोकसभा क्षेत्र समेत 30 विधानसभा क्षेत्रों पर हुआ। वहीं 32 फीसदी आबादी यानी 80 लाख जनसंख्या वाले 85 जनपद पंचायतों में आदिवासियों का दबदबा होगा। ध्यान रहे कि पेसा एक्ट 5वीं अनुसूची में शामिल अनुसूचित क्षेत्रों के लिए है।

कोटा में 15 ग्राम पंचायतें शामिल

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के कोटा नगर पंचायत के अंतर्गत निवेश क्षेत्र में 15 ग्राम पंचायतों का 7393.39 हेक्टेयर क्षेत्रफल शामिल किया है। इसमें साल 2031 तक कोटा नगर पंचायत एरिया की जनसंख्या एक लाख अनुमानित की गई है। इसी हिसाब से आवासीय क्षेत्र के लिए 764.33 हेक्टेयर(45.07 फीसदी), वाणिज्यिक क्षेत्र 56.06 हेक्टेयर, मिश्रित क्षेत्र 13.71 हेक्टेयर, औद्योगिक 95.65 हेक्टेयर, सार्वजनिक, अर्धसार्वजनिक 115.93 हेक्टेयर, आमोद-प्रमोद 206.78 हेक्टेयर, यातायात 443.45 हेक्टेयर तथा विकसित क्षेत्र 1695.81 हेक्टेयर निर्धारित किया गया है। ज्ञात हो कि बिलासपुर मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर कोटा में कटनी रूट का रेलमार्ग है। इसके अलावा बिलासपुर से कनेक्टिविटी के लिए सड़क मार्ग भी है। यहां प्राइवेट यूनिवर्सिटी और गवर्नमेंट कॉलेज भी हैं।

आदिवासियों को मनाने में जुटे अधिकारी

- कई शहरों के मास्टर प्लान शासन के पास भेजे जा चुके, अब बदलना होगा
- सड़क, बिजली, पानी, राजस्व, उद्योगों के फैसले भी ग्रामसभाओं के हवाले

दीपका का मास्टर प्लान शासन के पास

कोरबा जिले की बात करें तो नगर निगम का पहले ही मास्टर प्लान बन चुका है। बाकी चार निकायों का मास्टर प्लान बनना बाकी है। दीपका का मास्टर प्लान राज्य शासन को भेजा जा चुका है। यहां निवेश क्षेत्र में झाबर,बिंझारी, बटारी ,बरेली, बिंझरा, दूरेना, जुराली ,बेलटिकरी, मलगांव , डूंगरपुर, चैनपुर , सुआभोड़ी , कोराई ,कसईपाली , चाकाबुड़ा, देवगांव तिवरता, सिरकी, बुंदेली देवरी, दीपका शामिल हैं। ध्यान रहे कि राज्य शासन ने कोरबा जिले के नगरीय निकायों के साथ ही ग्राम पंचायतों को निवेश क्षेत्र घोषित किया है। जिसमें नगर पालिका कटघोरा, दीपका, नगर पंचायत छुरी और पाली के साथ 77 गांवों के नाम शामिल हैं। इसके मुताबिक निवेश क्षेत्रों में शामिल गांव का लैंड यूज़ बदलने के लिए नगर और ग्राम निवेश के संचालक से अनुमति लेनी होगी।

इनका मिला अधिकार

- ग्राम सभाओं की अनुमति के बिना ग्राम पंचायतों में निर्णय नहीं
- सड़क, बिजली, नाली आदि के बुनियादी फैसले भी
- राजस्व, उद्योग, वन, खनिज, से संबंधित फैसले ग्रामसभा लेगी

पेसा से ग्रामसभा का अधिकार बढ़ा

ज्ञात हो कि पेसा कानून लागू होने से ग्रामसभा का अधिकार बढ़ गया है। पेसा ग्राम सभाओं को विकास योजनाओं की मंजूरी देने और सभी सामाजिक क्षेत्रों को नियंत्रित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का अधिकार देता है। इसमें नीतियों को लागू करने वाली प्रक्रियाएं और कर्मी, लघु (गैर-लकड़ी) वन संसाधनों, लघु जल निकायों और लघु खनिजों पर नियंत्रण रखने, स्थानीय बाजारों का प्रबंधन, भूमि के अलगाव को रोकने और अन्य चीजों के साथ नशीले पदार्थों को नियंत्रित करना शामिल है। इसलिए अब उस क्षेत्र में बिना ग्राम सभा की अनुमति के कुछ भी बड़े फैसले नहीं लिए जा सकते। ज्ञात हो कि पेसा क्षेत्र में शामिल गांव वनांचल में आते हैं। आदिवासी बहुल क्षेत्र में जमीन की खरीदी-बिक्री कम होती है। साथ ही औद्योगिक विकास के लिए भी जमीन अधिग्रहण के साथ दूसरी औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं।

पेसा से प्रभावित विधानसभा सीटें

भरतपुर - सोनहट, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुंड्रा, सीतापुर, पत्थलगांव, जशपुर, कुनकुरी, लैलूंगा, धरमजयगढ़, रामपुर, पाली -तानाखार, मारवाही, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डौंडीलोहारा, मोहला -मानपुर, अंतागढ़, केशकाल, भानूप्रतापपुर, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, जगदलपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर व कोंटा।

सहमति बनाने की होगी कोशिश

प्रदेश भर के कई शहरों के मास्टर प्लान तैयार कर लिए गए हैं। इनमें से आदिवासी क्षेत्रों में पेसा कानून लागू होने के बाद से स्थितियां बदल गई हैं। अब ग्राम सभाओं की अनुमति जरूरी है। उसी हिसाब से प्रारूप तैयार हो रहे हैं। जल्द ही ग्राम सभाओं की बैठक बुलाकर इस पर सहमति बनाने की कोशिश होगी।

- बीपी पटेल, संयुक्त संचालक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग

भारी मात्रा में महुआ लहान भी नष्ट किया

ग्रामीणों ने जब्त की अवैध शराब, आबकारी अमला नहीं पहुंचा तो नदी में बहा दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अवैध शराब की धरपकड़ और कार्रवाई को लेकर आबकारी और पुलिस का अमला इसकदर गैर जिम्मेदार है कि तखतपुर के मेड़पार गांव के लोगों ने अवैध शराब पर कार्रवाई की और भारी मात्रा में जमीन में दबी महुआ शराब निकाल कर रख लिया। इस दौरान 300 किलो से अधिक लहान भी मिला, ग्रामीण सुबह से आबकारी अमले का इंतजार करते रहे, लेकिन वहां न तो आबकारी का अमला पहुंचा और न ही पुलिस की कार्रवाई हो सकी। इसके बाद ग्रामीणों ने स्वयं ही शराब और महुआ को मनियारी नदी में बहा दिया।

प्रदेश में एक ओर सरकारी दुकानों में शराब मिल रही है, वहीं बिलासपुर क्षेत्र में चारों ब्लॉक में अवैध शराब का बोल बाला है। तखतपुर इस लिस्ट में पहले नंबर पा आता है। आबकारी विभाग के अधिकारी दावा करते हैं कि हर महीने भारी मात्रा में शराब जब्त की जा रही है और आरोपियों को जेल दाखिल किया जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर गांव के लोगों के द्वारा सूचना दिए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जाती है। मामला तखतपुर के मेड़पार का है, शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने अवैध शराब पर स्वयं ही कार्रवाई करने के नीयत से जमीन में दबे लाखों लीटर महुआ शराब को जब्त कर लिया। इस दौरान कैन और ड्रम में रखे लहान और महुआ शराब बरामद की गई। इस दौरान सरपंच से इसकी शिकायत पुलिस और आबकारी से करने के लिए कहा गया, इसके बाद बाजार में महुआ शराब और लहान को रख ग्रामीण दिन भर कार्रवाई का इंतजार करते रहे, लेकिन ना तो पुलिस की टीम पहुंची और ना ही आबकारी का अमला पहुंच सका। इसके बाद ग्रामीणों ने शाम ढलने के बाद अवैध शराब और लहान को मनियारी नदी में बहा दिया।

तखतपुर के मेड़पार में ग्रामीणों द्वारा जब्त कर रखी गई शराब।

वीडियो हो चुका था वायरल

बताया जा रहा है कि सुबह से ही ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो फेसबुक में अपलोड कर दिया था, इसके बाद कुछ लोग एक्टिव हुए और अवैध लहान को लेकर ग्रामीणों से सौदा करते रहे, लेकिन ग्रामीणों ने किसी की भी नहीं सुनी और उसे रात में नष्ट कर दिया है। वहीं घटना का वीडियो आबकारी विभाग तक पहुंचा, टीम गनियारी के छापामारी कार्रवाई करती रही, लेकिन मेड़पार तक विभाग के अधिकारी नहीं पहुंच सके।

ट्रैक्टर के सहारे शराब को किया नष्ट

प्रशासनिक उदासीनता के कारण ग्रामीणों ने अवैध शराब को स्वयं ही ठिकाने लगाने की जुगत लगाई। शाम ढलने के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर और ट्राली की मदद से भारी मात्रा में महुआ शराब और लहान को नदी में बहाने के लिए भरा। इस दौरान कैन और ड्रम को रखने में ग्रामीणों को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

पुलिस को खबर की जा सकती थी

विभाग को इसकी जानकारी नहीं है, कुछ विडियो वायरल होने की बात सामने आई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। अगर आबकारी विभाग को खबर नहीं है तो पुलिस को खबर की जा सकती है। वायरल वीडियो की जांच जरूरी है।

- नवनीत तिवारी, सहायक आबकारी आयुक्त

हर बार क्षेत्र में पकड़ी जाती है शराब

हर बार क्षेत्र में शराब पकड़ी जाती है। शुक्रवार की सुबह भी शराब पकड़ी गई थी, जिसे शाम के बाद नष्ट करने की कार्रवाई ग्रामीणों के द्वारा की गई है।

- दिनेश कुमार, सरपंच, मेड़पार

टिफिन में मंगाना होगा खाना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस सिम्स में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए पालिथीन में भोजन का पैकेट सप्लाई नहीं किया जा सकेगा। मामला संज्ञान में आने के बाद डीन डॉ रमणेश मूर्ति ने आदेश जारी करते हुए पालिथीन को पूर्णतः प्रतिबंधित किया है। साथ ही स्टूडेंट को टिफिन में ही खाना सप्लाई करना होगा।

खबर का असर

- सिम्स के डीन ने जारी किया आदेश

हरिभूमि में 1 अगस्त को प्रकाशित खबर।

दरअसल सिम्स में मेस होने के बावजूद अधिकांश स्टूडेंट बाहर से खाना मंगाकर खाते है, यह खाना पालिथीन में बंद होकर आती है और हास्टल के पार्किंग में खुले में रखी जाती है। इस बारे में हरिभूमि ने 1 अगस्त के अंक में खबर प्रकाशित की थी, जिसके बाद सिम्स प्रबंधन की आंखें खुली है और इस पर रोक लगाने हेतु डीन ने आदेश जारी कर दिया है। सिम्स में अध्ययनरत स्टूडेंट बाहर से खाना मंगवाने के लिए अब टिफिन का ही उपयोग कर सकेंगे। हास्टल और संस्थान के बाकी हिस्से में सिंगल यूज पालिथीन पूर्णतः वर्जित होगी। खास बात यह है कि बाहर से भोजन लाने वालों को हास्टल में प्रवेश नहीं मिलने से वे हास्टल के बाहर पार्किंग पर भोजन के पैकेट रखकर चले जाते हैं, बारिश के मौसम में पैकेट संक्रमित होने का अंदेशा बना रहता है, प्रबंधन के आदेश के बाद खाने के टिफिन को परिजन कक्ष और गार्ड कक्ष में रखवाने का प्रबंध किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

हरिभूमि में प्रकाशित ऐसा में रखा भोजन करते हैं सिम्स के भावी डाक्टर... शीर्षक के साथ प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए उच्च न्यायालय ने सिम्स और जिला प्रशासन से इस बारे में जवाब मांगा है और एक हफ्ते के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इसके बार सिम्स प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है। भावी डाक्टरों के सेहत के साथ खिलवाड़ करते हुए भोजन लाने वाले निजी किचन संचालकों को अब सबक मिल सकेगा। प्रबंधन इस बारे में कड़ाई से नियमों का पालन करा सकती है।

टिकिट बुकिंग से शिकायत तक सारी सुविधा रेलवन एप में

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

रेल प्रशासन ने रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई और अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन रेलवन की शुरुआत कर दी है। इस ऐप में यात्री टिकिट बुकिंग से लेकर किसी तरह की शिकायत और मदद ले सकते हैं।

इस एप्लीकेशन का मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई यूजर इंटरफ्रेस के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है। इससे उपयोगकर्ता को रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन है। यह ऐप एंड्राइड और आईओएस दोनों प्लेटफार्म पर उपलब्ध है, जिसे मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप्लीकेशन के जरिए यात्री जनरल टिकिट, रिजर्वेशन एवं प्लेटफार्म टिकिट की बुकिंग, ट्रेन की वर्तमान स्थिति, देर से आगमन/प्रस्थान समय की जानकारी रियल टाइम, सफर के दौरान मनपसंद भोजन आनलाइन करने पर यात्री के बर्थ पर प्राप्त होंगे। ट्रेन रद्द होने, प्लेटफार्म परिवर्तन, विलंब की स्थिति में तत्काल सूचना, शिकायतें या सुझाव सीधे रेल प्रशासन तक पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। इससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। रेलवन ऐप डाउनलोड करने के बाद रेलकनेक्ट या यूटीएस आन मोबाइल ऐप की मौजूदा यूजर आईडी से लांगिंग किया जा सकता है। इसके कारण उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग ऐप रखने की आवश्यकत नहीं पड़ेगी, जिससे डिवाइस की स्टोरेज भी बचेगी। इसमें आर वालेट की सुविधा जोड़ी गई है, जिसके माध्यम से अनारक्षित टिकिट के भुगतान कर में 3 फीसदी छूट का लाभ मिल रहा है। नए उपयोगकर्ताओं के लिए कम से कम जानकारी देकर पंजीकरण की व्यवस्था है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान और तेज बनती है। इस संबंध में बिलासपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेलवन ऐप एक डिजिटल प्लेटफार्म है जो कि यात्रियों को रेलवे से जुड़ी अनेक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के साथ रेल यात्रा को अधिक सुगम व पारदर्शी बनाता है।

रखरखाव के अभाव में राष्ट्रीय स्मारक जयस्तंभ के अस्तित्व पर छाया संकट

सीतापुर। 15 अगस्त एवं 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्व की शोभा बढ़ाने वाला राष्ट्रीय स्मारक जयस्तंभ अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। रखरखाव एवं देखरेख के अभाव में जयस्तंभ की हालत काफी जर्जर हो गई है। बदहाली की मार झेल रहे स्मारक की ऐसी दुर्गति होता देख लोगों ने चिंता जाहिर की है। इस संबंध में नगरवासियों ने नगर पंचायत से जयस्तंभ के मरम्मत कराने की मांग की है ताकि राष्ट्रीय स्मारक जयस्तंभ को संरक्षित किया जा सके।

विदित हो कि नगर पंचायत के महामाया वार्ड क्र-10 में दशकों से राष्ट्रीय स्मारक के रूप में जयस्तंभ स्थापित है जहां बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ देश का राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त एवं 26 जनवरी मनाया जाता है। राष्ट्रीय पर्व मनाने से पहले नगर पंचायत द्वारा जयस्तंभ की साफ सफाई एवं रंगाई पुताई कराई जाती है ताकि राष्ट्रीय पर्व का उत्साह फीका न पड़ जाए। राष्ट्रीय पर्व मनाते ही नगर पंचायत जयस्तंभ से पूरी तरह किनारा कर लेती है और उसे उसके हाल पर छोड़ देती है।जिसकी वजह से राष्ट्रीय स्मारक जयस्तंभ की हालत इन दिनों काफी जर्जर हो चुकी है। मरम्मत के अभाव में जयस्तंभ के प्रवेश द्वार का पिलर धराशायी हो चुका है उसके प्लास्टर उखड़ने लगे है। जयस्तंभ के चारो तरफ पसरी हुई गंदगी की वजह से यहाँ का माहौल काफी दूषित हो चला है। जयस्तंभ की इस बदहाली से अवगत होने के बाद भी नगर पंचायत द्वारा पल्ला झाड़ लेना जयस्तंभ के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है।

98 हजार किसानों का पंजीयन पूरा

26 हजार किसान अब भी एग्री स्टेक पंजीयन से दूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जिले के 26 हजार किसान अब भी एग्री स्टेक किसान पंजीयन से दूर हैं। उन्होंने अब तक एग्री स्टेक पोर्टल में अपना पंजीयन नहीं कराया है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर सहकारी समितियों में धान की बिक्री के लिए संबंधित किसान का पंजीयन अनिवार्य किया गया है। धान खरीदी प्रारंभ होने में अब केवल तीन महीने ही शेष हैं, जिससे बगैर पंजीयन वाले किसानों को दिक्कत हो सकती है।

राज्य विशिष्ट डिजिटल पोर्टल एग्रीस्टेक में किसानों का पंजीयन अब अंतिम चरणों में है, लेकिन अब भी 26 हजार किसान पंजीकृत होने बाकी हैं। इस पोर्टल में किसानों को अपनी जमीन का खसरा नंबर, फसल एवं भूमि की जानकारी सहित कुछ व्यक्तिगत जानकारी साझा करनी है। एग्रीस्टेक में किसानों को पंजीकृत करने का काम जिले में सेवा सहकारी समितियों, कृषि विभाग के कर्मचारियों, लोक सेवा केंद्र एवं चॉइस सेंटरों के माध्यम से किया जा रहा है। किसान यदि चाहें तो जानकारी होने की स्थिति में वे अपने मोबाईल फोन के जरिए एग्रीस्टेक पोर्टल में घर बैठे भी अपना पंजीयन कर सकते हैं।

खरीफ सीजन 2024-25 में धान खरीदी के पूर्व जिले के करीब एक लाख 25 हजार किसानों ने धान बेचने के लिए अपना पंजीयन सहकारी समितियों में करवाया था। इसके अंतर्गत अब तक जिले के 98 हजार किसानों ने एग्रीस्टेक में अपना पंजीयन करवा लिया है। इसी तरह 26 हजार किसान फिलहाल पंजीयन के लिए रह गए हैं। सूत्रों के अनुसार लगातार सर्वर की खराबी के कारण भी एग्रीस्टेक में किसानों का पंजीयन बाधित हो रहा है। एग्रीस्टेक पोर्टल पूरी तरह आधार बेस्ड है, जिसमें संबंधित किसान के पंजीकृत मोबाईल नंबर पर ओटीपी भी जारी किया जाता है। ऐसी स्थिति में मृत किसान के नाम पर समितियों में धान की फर्जी बिक्री पर भी पूरी तरह से रोक लग जाएगी। इतना ही नहीं, बल्कि किसान की मृत्यु होने के बाद उसके वारिसों द्वारा भी अभिलेखों में आवश्यक सुधार के बाद नए सिरे से पंजीयन कराए बगैर समितियों में धान की बिक्री नहीं की जा सकेगी।

कैसे बिकेगा सोसायटी में धान?

पंजीयन का किया जा रहा प्रयास

वर्ष 2024-25 में धान खरीदी के लिए पंजीकृत किसान संख्या के अनुसार सहकारी समितियों में धान बेचने वाले किसानों की संख्या 1.25 लाख है। इनमें से अब तक 98 हजार किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन किया जा चुका है। 26 हजार किसान अब भी पंजीयन के लिए शेष है, जिनका जल्द से जल्द पंजीयन का प्रयास किया जा रहा है।

- केएस यादव
अधीक्षक भू अभिलेख

हनुमान मंदिर में अखंड मानस मंडल परिवार ने मनाई तुलसीदास जयंती

बिश्रामपुर। श्री रामचरितमानस के रचयिता आस्था सद्भाव और सनातन संस्कारों की अखंड वाणी भक्ति और भारतीयता को स्वर देने वाले पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती गुरुवार को अखंड मानस मंडल परिवार बिश्रामपुर द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बस स्टैंड स्थित संकट मोचन मंदिर में देर शाम सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया और भोग प्रशाद का वितरण किया गया।मानस मंडल परिवार के अध्यक्ष कृष्ण चंद मिश्रा गुड्डू महाराज ने उपस्थित जनों को गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्मजयंती पर शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

मड़वा प्लांट रेल लाइन में मालगाड़ी हुई डिरेल

कोरबा। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित मड़वा प्लांट की लाइन में मालगाड़ी डिरेल हो गई और पटरी से 9 वैगन उतर गए। कोयला अनलोड करने के बाद वापसी में मालगाड़ी डिरेल हुई। सूचना के बाद रेलवे की एआरटी यानी दुर्घटना राहत टीम पहुँची और वैगन को दुरुस्त करने का कार्य शुरू किया। क़रीब 10 घंटे बाद डिरेल हुए वैगन को पटरी पर लाया जा सका। राहत की बात रही कि मालगाड़ी के डिरेल होने की घटना पैसेंजर रूट पर नहीं हुई जिससे यात्रियों को कोई परेशानी नहीं हुई। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा मड़वा में इकाई संचालित की जा रही है। प्लांट तक रेल लाइन बिछी है जहाँ से कोयला लाया जाता है। छत्तीसगढ़ी व्यंजन यहाँ अनलोडिंग प्वाइंट से 50 मीटर दूर ही मालगाड़ी के 9 वैगन उतर गए, जब कोयला अनलोड करने के बाद मालगाड़ी वापस जा रही थी। डिरेल के बाद एआरटी यानी दुर्घटना राहत टीम को बुलाया गया। फिर वैगन को पटरी पर लाने का काम शुरू किया गया और काफ़ी मशक्कत के बाद आख़िरकार 10 घंटे बाद पटरी दुरुस्त हो सकी।

किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त आज होगी जारी

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को प्रातः 11 बजे वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किस्त देश के करोड़ों किसानों को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर कोरबा जिले के 80 हजार 660 किसानों को 19 करोड़ 32 लाख़ रुपये की राशि आधार आधारित प्रणाली के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। प्रभारी उप संचालक, कृषि देवेंद्र सिंह कंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के किसानों को सीधे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत लघु, सीमांत एवं दीर्घ कृषकों को, जो केवल कृषि कार्य पर अपनी आजीविका निर्भर रखते हैं, हर तीन माह में दो हजार रुपये और सालाना छह हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना से किसानों को खेती के कार्यों में आवश्यक निवेश के लिए सहयोग मिलता है तथा उनकी आय में स्थिरता आती है। शासन के निर्देशानुसार 2 अगस्त को पीएम किसान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में भी व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि उपज मंडी के समन्वय से जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के हितग्राही किसानों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

आईपीएस दीपका में छात्रसंघ का हुआ शपथ ग्रहण

कोरबा। आईपीएस दीपका में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नकुल कुमार वर्मा डिप्टी कमांडेंट सीआईएसएफ उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता, शैक्षणिक प्रभारी सब्यसाची सरकार और श्रीमती सोमा सरकार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विद्यालय छात्र संघ एवं विद्यालय के चारों सदन की छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। मुख्य अतिथि नकुल कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का स्वर्णिम काल होता है। इस काल में विद्यार्थी जो कुछ भी सीखता है, वह उसके व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी का परम कर्तव्य है कि वह अपने माता-पिता का सम्मान करे और अपने विद्यालय को उन्नत बनाने में योगदान करे। प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि अनुशासन वह गुण है जिससे व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति आदर और समझ विकसित होती है।

शिशु के लिए स्तनपान मौलिक अधिकार तथा सर्वोत्तम आहार

कोरबा। बच्चे और माताओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने प्रतिवर्ष की भाँति जिले में 1 से 7 अगस्त तक स्तनपान में निवेश, भविष्य में निवेश थीम के साथ मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य शिशुओं के स्वास्थ्य और विकास के लिए स्तनपान के महत्व को समुदाय तक पहुंचाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में विश्व स्तनपान सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विकासखण्डो को विस्तृत दिशा निर्देश पूर्व में जारी कर दिया गया है। समस्त विकासखण्डों में स्तनपान के संबंध में डिलिवरी प्वाईट, शिशु वार्ड, पोषण पुनर्वास केन्द्रो, समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों, में पदस्थ सीएचओ, एएनएम के माध्यम से प्रसव के तुरंत एक घंटे के अंदर नवजात को स्तनपान सुनिश्चित करने के लिए तथा 6 माह तक शिशुओं को केवल स्तनपान कराने के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा हे। इसके साथ ही समुदाय स्तर पर तथा व्हीएचएनडी सत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ऑगनबाड़ी कार्यकताओं तथा मितानिनों के द्वारा बैठक लेकर स्तनपान के लाभ तथा कुपोषण से बचाव एवं रोकथाम के लिए 6 माह तक केवल माँ का दूध तथा 6 माह के उपरांत संपूरक आहार देने के बारे में जानकारी दी जा रही है।

खदान की ब्लास्टिंग से दीवारों में आई दरार, छतों का गिरा प्लास्टर

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की छत से टपक रहा पानी, मरीजों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वार्ड में भर्ती एवं परिजन।

अस्पताल के छत से टपकता पानी।

ग्राम पंचायत हरदीबाजार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत जर्जर हो गई है। भवन की छत और दीवारों से पानी रिस रहा है। बारिश की वजह से वार्ड में रखे बिस्तर और फर्श गीले हो रहे हैं। सीलिंग और पंखों में पानी के रिसाव से करंट आने का खतरा भी बना हुआ है। इससे मरीजों को भर्ती करने और उनका इलाज करने में समस्याएं हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य केंद्र से मात्र 90 मीटर की दूरी पर एसईसीएल की दीपका कोयला खदान स्थित है। खदान में रोजाना होने वाली भारी ब्लास्टिंग के कारण पूर्व में छत का प्लास्टर गिरने की घटना हो चुकी है। उस समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीज और कर्मचारी बाल-बाल बचे थे। अब बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण प्रसूति वार्ड में माताओं और नवजात शिशुओं को भर्ती करना जोखिम भरा हो गया है। डॉक्टर और कर्मचारी भी इस स्थिति से चिंतित हैं कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में अचानक बीमार पड़ने या प्रसव के लिए लोग अस्पताल आते हैं। लेकिन उन्हें हमेशा यह डर सताता रहता है कि कभी भी छज्जा गिर सकता है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

उच्च अधिकारियों को कराया गया है अवगत

वार्ड में मरीज भर्ती हैं और बारिश होने के दौरान छत और दीवारों से पानी टपक रहा है। इससे बिस्तर और फर्श गीले हो रहे हैं। जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के बारे में उच्चाधिकारियों को पहले ही सूचित किया जा चुका है।

- डॉ. युधेश सांडे, सहायक चिकित्सक पीएचसी हरदीबाजार

लेमरु पीएचसी का भी यही हाल

वनांचल क्षेत्र लेमरु में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जो आदिवासी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रहा है लेकिन बारिश के मौसम में स्वास्थ्य केन्द्र में जगह जगह से पानी टपकने से मरीजों को परेशानी हो रही है। प्रसव के लिए पहुंचने वाले महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी वार्डों में पानी टपकने की समस्या बनी हुई है। जगगह जगह से बारिश के पानी का रिसाव हो रहा है। अस्पताल में हर महीने लगभग 25 से 30 संस्थागत प्रसव हो रहे हैं। ऐसे में अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक व स्टॉफ नर्स के सामने मुश्किलें खड़ी हो गई हैं।

आयुक्त ने सेवानिवृत्त कर्मियों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

निगम आयुक्त ने निगम से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा उन्हें सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कार्य के प्रति निष्ठा व समर्पण भावना की सराहना करते हुए शहर की विकास यात्रा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

निगम में विभिन्न पदों पर कार्यरत 17 कर्मचारी सेवा से निवृत्त हुए हैं। गुरूवार को इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के सम्मान हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल व श्रीफल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया, उन्हें सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र प्रदान किया, स्मृतिचिन्ह भेंट किए तथा उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय कहा कि शासकीय सेवा में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारी निर्धारित आयु सीमा के पश्चात सेवा से निवृत्त होते ही हैं, आप लोग भी अपनी दीर्घकालीन सेवा देने के पश्चात आज दायित्वों से मुक्त हो रहे हैं, आपके जीवन की दूसरी पारी अब प्रारंभ हो रही है, इस पारी में आप अपने परिवार व समाज के लिए समय देंगे। उन्होंने कहा कि आप देश के आठवें स्वच्छ शहर के निकाय से रिटायर हो रहे हैं, कोरबा शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में इस स्तर तक पहुंचाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, कोरबा के विकास में आपकी महत्वपूर्ण सहभागिता को भी भुलाया नहीं जा सकता। मार्च 2025 से जुलाई 2025 तक जिन कर्मचारियों को सेवा से निवृत्ति प्राप्त हुई हैं, उनमें सफाई कामगार गणेशी बाई, मालकोण्डैया, इलुकोण्डैया-2, सहायक ग्रेड-3 जयकिशन पटेल, सहा.ग्रेड-2, गोविंद पालीवाल व श्रीमती श्यामकली डहरिया, समयपाल भूपेन्द्र कुमार सिंह, रविशंकर देवांगन, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रेमचंद राठौर, भृत्य जीवन राजवाडे, जनसंपर्क सहायक जगदीश कंवर, तकनीकी हेल्पर मजदूर महेश्वर सिंह गभेल, राजस्व उप निरीक्षक शिवबहादुर पटेल, विशाल सिंह कंवर, जवाहर लाल गोंड़, हैंण्डपम्प मैकेनिक राधेश्याम राठौर, फीटर उमेदराम पटेल आदि कर्मचारी शामिल हैं।

एसईसीएल मुख्यालय में महाप्रबंधक समन्वय बैठक

कोरबा। एसईसीएल मुख्यालय में महाप्रबंधक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। अभिमन्यु ई-पत्रिका के आठवें अंक का विमोचन किया गया। बैठक के प्रारम्भ में सीएमडी हरीश दुहन द्वारा निदेशक तकनीकी–संचालन सह योजना परियोजना एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक बिरंची दास, निदेशक डी.सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं मुख्यालय के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में अभिमन्यु ई-मैगज़ीन के आठवें अंक का विमोचन किया गया। इसके साथ ही सीएमडी हरीश दुहन द्वारा छठे एवं सातवें अंक के बेस्ट आर्टिकल विजेता, वैभव निगम, सहायक प्रबन्धक सीएमपीडीआई आरआई-पांच एवं आरती कुमारी, सहायक प्रबन्धक (विधि), एसईसीएल रायगढ़ क्षेत्र को पुरस्कृत किया गया।

बालको महिला मंडल ने मनाया तीज महोत्सव

कोरबा। बालको महिला मंडल ने तीज महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया। पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश स्तुति एवं शंखनाद के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उत्सव में सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में अपनी सांस्कृतिक विरासत की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और तीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छह श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया, जिसमें तीज क्वीन सीमा साहू, प्रथम रनर-अप अल्का पृथ्विकार, द्वितीय रनर-अप इला छुगानी, मिस स्टनिंग ब्यूटी अनुराधा, मिस एलिगेंट सिमप्लिसिटी सिमरन जैन और मिस ट्रेडिशनल पेजेंट हनी देवले थी। यह आयोजन क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार के कुशल नेतृत्व और सलाहकार मंडल, श्रीमती वीनेता सिंह, श्रीमती रमा द्विवेदी, श्रीमती वंदना शर्मा तथा श्रीमती दिव्या ओझा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजन पर सचिव श्रीमती सुष्मिता श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष श्रीमती पल्लवी पाटिल ने बालको महिला मंडल की सभी सदस्याओं और मुख्य अतिथि के प्रति आभार जताया। इस आयोजन को सफल बनाने में सदस्यगण श्रीमती मोनिका कोचर, श्रीमती अंकिता सिंह, श्रीमती शिवानी प्रसाद, श्रीमती जागृति सिंह और श्रीमती नीतू वर्मा प्रमुख भूमिका रही।

गोकुल नगर की महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव

कोरबा। शहर के ग्राम खरमोरा के निकट गोकुल नगर कालोनी की महिलाओं ने गुरूवार को हाटल टाप इन टाउन में सावन उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर सभी ने सुहाने गीत संगीत के साथ झूले का आनंद लिया। सावन उत्सव के आयोजन को लेकर महिलाओं में उत्साह देखा गया। पिंक कलर की साड़ी और हरे रंग की चूड़ियों के साथ सभी में समरूप श्रृंगार की झलक देखने को मिली। खास बात यह रही कि सभी ने एक दूसरे की सुंदरता की सराहना की। सावन के पावन महीने में मनाया गया यह उत्सव महिलाओं के लिए यादगार क्षण बन गया। आपसी सद्भाव और एकता को सुदृढ़ करने के लिए यह आयोजन महिलाओं द्वारा पिछले वर्ष भी मनाया गया था। गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में फोटोग्राफी, सेल्फी, नृत्य, संगीत के साथ सभी ने स्वादिष्ट व्यंजन का जमकर आनंद लिया। इस अवसर सभी ने एक दूसरे के सुख-दुख में काम आने और प्रत्येक उत्सव में आपसी सद्भाव और स्नेह बनाए रखने का संकल्प लिया।

रचना ग्रुप पनिका समाज ने मनाई हरियाली तीज

कोरबा। रचना ग्रुप पनिका समाज द्वारा हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। जिसमें जिले की सभी ब्लॉक की महिलाओं ने भाग लिया। आयोजन में मनमोहक नृत्य के साथ क्विज, केश सज्जा, मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता रखी गई थी। महिला समूह द्वारा बनाई खाद्य सामग्री और सोनू महंत के द्वारा साड़ी का स्टाल लगाया गया। कार्यक्रम का आयोजन लवली लेडिस ग्रुप द्वारा रचना ग्रुप के तत्वाधान में किया गया था। मंच का संचालन भुवनेश्वरी दास जिला महामंत्री कांग्रेस ग्रामीण के द्वारा किया गया। अंत में रामशिला महंत द्वारा आभार जताया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन के साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

ज्ञानदीप महिला समिति ने मनाया सावन उत्सव

रजगामार। ज्ञानदीप महिला समिति द्वारा सावन उत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं के द्वारा बहुत सारे खेल खेले गए और चटपटे नाश्ते का स्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अभिलाषा वर्मा ने किया और सभी को मजेदार खेल करवाया गया। कार्यक्रम में हमारे ग्राम पंचायत की उप सरपंच श्रीमती पूनम चौरसिया भी उपस्थित थी और सावन क्वीन रेखा थापा चुनी गई। सभी खेलों में पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में भगवती पाल, श्वेता डडसेना, ममता अग्रवाल, अनीता केसरवानी, सुधा गुप्ता, ललिता, रेखा, सुनीता, सोनम, माया, रितु गुप्ता, नीतू के शेरवानी, भगवती पाल, कृष्णा, राजकुमारी, अनीता यादव, प्रमिला, श्रद्धा डडसेना, सविता अग्रवाल, मुस्कान, अनीता पटेल, मंजू केशरवानी, मनीषा केसरवानी उपस्थित थे।

साहू समाज की महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव

कोरबा। साहू नारी निकेतन काशीनगर बुधवारी इकाई के महिलाओं द्वारा सावन उत्सव सामुदायिक भवन खपरा भट्ठा में मनाया गया। महोत्सव की शुरुआत भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना कर की गई। महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों की प्रस्तुति दी गई तथा एकल व सामूहिक नित्य किया गया। गीत व भजन का भी सभी ने आनंद उठाया। सावन क्वीन की प्रतियोगिता की गई अनेकों नाम होने के कारण लाटरी पद्धति से श्रीमती लक्ष्मीन साहू, को चुना गया। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों को समिति द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती मथुरा साहू,, रितु साहू,, वृंदा साहू,, रजनी चौधरी, मीना साहू,, अहिल्या साहू,, पूर्णिमा साहू, गंगोत्री साहू, करुणा साहू, सावित्री साहू, पदमा साहू, अमेरिका साहू, सावित्री राज साहू, ओम लता साहू, ममता साहू, सावित्री साहू सहित समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं।

पुण्यतिथि पर याद किए गए तिलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में शुक्रवार को लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर प्रेस क्लब सदस्यों ने लोकमान्य तिलक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि अवसर लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। सदस्यों ने विचार रखते हुए कहा कि बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। वे बचपन से ही अत्यंत बुद्धिमान, स्वाभिमानी और दृढ़निश्चयी थे। उनके पिता गंगाधर तिलक संस्कृत और गणित के विद्वान थे। तिलक न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक महान पत्रकार और लेखक भी थे। उन्होंने केसरी (मराठी) और मराठा (अंग्रेज़ी) नामक पत्रिकाओं की शुरुआत की, जिनके माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की नीतियों की आलोचना की और भारतीय जनता को जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब उपाध्यक्ष रामेश्वर ठाकुर, सचिव नागेंद्र श्रीवास, कोषाध्यक्ष ई जयंत, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार शाह, नीलम पड़वार सहित सुहेल अहमद किदवई, हीरा राठौर, प्रीतम जायसवाल, रेणु जायसवाल, राजा मुखर्जी, अनूप स्वर्णकार, राजीव प्रजापति, विक्की निर्मलकर सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय में मनी पुण्यतिथि

जिला कांग्रेस कार्यालय टीपी नगर में स्वतंत्रता संग्राम के सिद्ध महात्मा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजली अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक में अभिमन्यु की तरह प्रतिमा एवं साहस का असीम भण्डार था। अपनी निःस्वार्थ देश भक्ति अद्वय साहस के कारण स्वतंत्र भारत के महान निर्माताओं में से एक थे। ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनोज चौहान ने बताया कि गंगाधर तिलक देश प्रेम की लौ को सदैव प्रकाशमान रखने के लिए अपने उग्र विचारों को ध्वनि तरंगों की तरह यत्र तत्र सर्वत्र फैलाने का प्रयास करते रहे हैं।

भूविस्थापितों की समस्याओं से अवगत कराने पूर्व मंत्री ने कोयला मंत्री को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जयसिंह अग्रवाल

जिले में संचालित एसईसीएल की विभिन्न कोयला खदानों के विस्तारीकरण योजना से प्रभावित हुए भू-विस्थापितों की समस्याओं से अवगत कराते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने केन्द्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को पत्र लिखा है। श्री रेड्डी को सम्बोधित पत्र में उल्लेख किया गया है कि जिले की विभिन्न खदानों की विस्तार योजनाओं से प्रभावित भू-विस्थापितों को न तो उचित मुआवजा दिया जा रहा है और न ही उनकी बसाहट के लिए समुचित प्रबंध किए जा रहे हैं। यहां तक कि रोजगार उपलब्ध कराना तो दूर की बात है, बरसात के मौसम में उनके घरों को भी गिराया जा रहा है। पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने पत्र में लिखा है कि विगत दिनों कोयला मंत्री का कोरबा प्रवास हुआ था और उस प्रवास के दौरान केवल कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठकें हुईं और उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने पर दबाव बनाया गया। एसईसीएल के अधिकारियों द्वारा भी उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाई गई योजनाओं के संबंध में ही उन्हें जानकारी दी गई इसके अलावा उन्होंने भू-विस्थापितों की समस्याओं को जानने की न तो कोशिश किया और न ही एसईसील के अधिकारियों ने उन्हें अवगत कराना जरूरी समझा। पूर्व मंत्री ने पत्र में इस बात पर जोर दिया है कि जब तक वे जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर बैठक नहीं लेते हैं, भू-विस्थापितों की समस्याओं से जुड़ी जमीनी सच्चाई से वे अवगत नहीं हो पाएंगे क्योंकि एसईसीएल प्रबंधन स्वयं उन समस्याओं की जानकारी से उन्हें दूर रखना चाहता है। पत्र में लिखा गया है कि भूमि पुत्रों की कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण एसईसीएल द्वारा किया जा चुका है। खेती के लिए उनके पास जमीन नहीं बची है। प्रबंधन उन्हें रोजगार नहीं दे रहा है।

भारी बारिश से सालिहा नाला पुल क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बांकीमोंगरा

ग्राम पंचायत देवरी और कोराई को जोड़ने वाले सालिहा नाला पर स्थित पुल हाल ही में हुई भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल के दोनों ओर डाली गई मिट्टी बह जाने के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था, जिससे ग्रामीणों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्राम पंचायत देवरी के सरपंच शिवलाल कंवर ने त्वरित पहल करते हुए मिट्टी एवं बोल्डर की सहायता से एक अस्थायी कच्चा मार्ग तैयार करवाया है। इस वैकल्पिक रास्ते से अब पैदल राहगीर एवं हल्के वाहन सुरक्षित रूप से आवागमन कर पा रहे हैं। हालांकि सरपंच ने स्पष्ट किया है कि यह मार्ग केवल अस्थायी समाधान है और इसकी संरचना सीमित भार वहन क्षमता वाली है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि इस मार्ग से किसी भी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन न करें, जिससे मार्ग की सुरक्षा बनी रहे और दुर्घटनाओं की संभावना से बचा जा सके। सरपंच श्री कंवर ने कहा कि स्थायी पुल का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ किया जाएगा। तब तक नागरिकों से सहयोग अपेक्षित है, ताकि अस्थायी मार्ग से सुरक्षित आवागमन बना रहे। क्षेत्रवासियों ने सरपंच की इस त्वरित पहल की सराहना की है और अस्थायी रूप से बहाल किए गए मार्ग से राहत की सांस ली है।

कोरबा मार्केट

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गारंटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु, पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन,सिपलिस, गनोरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
20 वर्षों से स्थाई
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल
ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

इंडियन नर्सिंग कौंसिल एवं छ.ग. नर्सेस रजिस्ट्रेशन कौंसिल से मान्यता प्राप्त
पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(04 वर्षीय पाठ्यक्रम)
प्रवेश योग्यता :
बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण बायोलॉजी विषय
नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण
(शासन के नियम अनुसार स्कॉलरशिप की सुविधा)
100% CAMPUS PLACEMENT
भारत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
दयानन्द पब्लिक स्कूल के पास, कोसावाड़ी, कोरबा, जिला – कोरबा (छ.ग.)
09300644100, 9300520100

खबर संक्षेप

एसपी ने चौकी प्रभारियों की ली क्राइम मीटिंग

कोरबा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में समस्त थाना व चौकी प्रभारियों की क्राइम मीटिंग ली गई। इस मीटिंग में पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित अपराध, मर्ग, शिकायतों के त्वरित निराकरण, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था के सुधार एवं यातायात नियमों के कड़ाई से पालन को लेकर निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाएं एवं आम जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया कि गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा, अनुभागीय पुलिस अधिकारी कटघोरा, उप पुलिस अधीक्षक, एवं अन्य थाना प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

गायत्री को मिली पीएचडी की उपाधि

कोरबा। कमला नेहरु महाविद्यालय के रसायन

शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका, श्रीमती गायत्री साहू को अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य बिलासपुर के शासकीय ई राघवेंद्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय की रसायन शास्त्र विषय की सहायक प्राध्यापिका डॉ.श्रीमती रीता बाजपेई के कुशल मार्गदर्शन में पूर्ण किया। इनके शोध का विषय ए स्टडी आफ बीहेवियर आफ हैवी मेटल्स इन सेलेक्टेड प्लांट स्पीशीज एंड रिस्पेक्टिव साइल सैम्पल्स आफ कोरबा था। इस उपलब्धि को हासिल करने में उनके पति राजेश राजन के सहयोग एवं परिवार के प्रोत्साहन ने अहम भूमिका निभाई।

शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यक्रम

कोरबा। शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं मंच के सदस्यों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंच के राष्ट्रीय संयोजक मनीष अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पेड़ों के जीवन में महत्व और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका समझाई। साथ ही कहा कि सभी को अपने माँ के नाम या पूर्वजों के नाम प्रतिवर्ष एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी सतत देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। मंच के शाखा अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल ने मोबाइल फोन एवं प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को इनके सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग की सलाह दी। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और डिजिटल उपकरणों की लत पर्यावरण व मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक हो सकती है। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. फ़रहाना अली ने मंच के प्रयासों की सराहना की और बच्चों से पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आग्रह किया।

गर्मी के दिनों में ओवरलोड की समस्या से मिलेगा निजात

निहारिका के पॉश कालोनी को डबल सप्लाई करने सुभाष चौक में नया सब स्टेशन हो रहा तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर के पॉश इलाके निहारिका, घंटाघर, आरएसएस नगर, सीएसईबी कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्र में बेहतर विद्युत आपूर्ति हो सके और इसके लिए विद्युत वितरण विभाग ने डबल सप्लाई करने के लिए सुभाष चौक में एक नया सब स्टेशन का निर्माण शुरू किया है। आने वाले दिनों में शहर के सबसे ज्यादा रेवेन्यू देने वाले इलाके को डबल सप्लाई का लाभ मिलेगा और पॉवरकट की समस्या भी नहीं होगी।

खास बात

- लगभग 5 हजार उपभोक्ताओं को सब स्टेशन से होगी विद्युत आपूर्ति

निहारिका में निर्माणाधीन सब स्टेशन।

उल्लेखनीय है कि विद्युत वितरण विभाग अपने उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। बताया जाता है कि निहारिका क्षेत्र के आसपास बसने वाले लोगों को गर्मी के दिनों में सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति करने पर ओवरलोड की समस्या उत्पन्न होती थी। लगातार ओवरलोड की समस्या को देखते हुए विद्युत वितरण विभाग के अफसरों ने निहारिका क्षेत्र में एक अन्य सब स्टेशन निर्माण का प्रस्ताव वरिष्ठ अफसरों को भेजा था। जहां मुख्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद सुभाष चौक के समीप सीएसईबी कॉलोनी में 33 गुणा 11 केवी का लगभग 1 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। आने वाले कुछ महीनों के भीतर इस सब स्टेशन का निर्माण काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद निहारिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजेंद्र प्रसाद नगर, साडा कॉलोनी, शिवाजी नगर, आरएसएस नगर, एमपी नगर, घंटाघर व सीएसईबी कॉलोनी के लगभग 5 हजार उपभोक्ताओं को इस सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। विद्युत वितरण विभाग के अफसर की माने तो डबल सप्लाई के तौर पर इस सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही गर्मी के दिनों में ओवरलोड होने की स्थिति में इस सबस्टेशन के माध्यम से इस इलाके के कई क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी और आपात की स्थिति में यदि किसी सब स्टेशन में फॉल्ट आता है तो इस सब स्टेशन से बैकअप दिया जा सकेगा और उस इलाकों को विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी।

एक किलोमीटर के दायरे में तीन सब स्टेशन हो रहे संचालित

विद्युत वितरण विभाग को निहारिका क्षेत्र से सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है। जिसमें राजेंद्र प्रसाद नगर, शिवाजी नगर, एमपी नगर, आरएसएस नगर सहित सीएसईबी कॉलोनी का इलाका शामिल है। इन सभी क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति करने के लिए विद्युत वितरण विभाग द्वारा मिनीमाता कॉलेज के ठीक पीछे स्थित शिवाजी नगर में सब स्टेशन और सीएसईबी कॉलोनी के सीडीएफ सब स्टेशन का निर्माण किया गया है लेकिन इन तीन सब स्टेशन के माध्यम से पूरे इलाके को विद्युत आपूर्ति की जाती है और गर्मी के दिनों में ओवरलोड की स्थिति निर्मित होती है। अब 1 किलोमीटर के दायरे में यह चौथा सब स्टेशन निर्माण हो रहा है जिससे विद्युत व्यवस्था काफी हद तक सुधर जाएगी।

सुभाष चौक में हो रहा है निर्माण

सुभाष चौक के समीप 33 गुणा 11 केवी का सब स्टेशन तैयार किया जा रहा है। इस सब स्टेशन के माध्यम से निहारिका क्षेत्र को डबल सप्लाई का लाभ मिलेगा और लगभग 5 हजार उपभोक्ताओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा और गर्मी के दिनों में ओवरलोड की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

\- रोशन लाल वर्मा
डीई, विद्युत वितरण विभाग कोरबा शहर

पीडीएस दुकान में हो रही चावल की अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में पीडीएस संचालकों की मिलीभगत से पंगु होती नजर आ रही हैं। जिले की कई सरकारी राशन दुकानों में चावल वितरण को लेकर भारी गड़बड़ी सामने आ रही है। कई राशन दुकान संचालकों ने आपस में सिंडिकेट बना लिया है और जरूरतमंदों को मिलने वाला चावल राइस मिलर्स को बेच दिया जा रहा है।

खास बात

- राइस मिलर्स को बेचा जा रहा चावल

स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्हें तय तारीखों पर राशन नहीं मिल पा रहा है, वहीं गोदामों से चावल गायब होने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क की भूमिका बताई जा रही है, जिसमें दुकान संचालक, मापतोल कर्मचारी और कुछ मिलर्स की मिलीभगत उजागर हुई है। सरकारी राशन के भरोसे जीने वाले ग्रामीण रोजाना दुकान के बाहर लाइन लगाते हैं, लेकिन अधिकांश बार उन्हें यह कहकर लौटा दिया जाता है कि चावल खत्म हो गया है या अभी ट्रक नहीं आया। जबकि हकीकत यह है कि चावल समय पर आता है लेकिन उसे गुपचुप तरीके से बाजार या राइस मिलर्स को बेच दिया जाता है। चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी स्थानीय प्रशासन को होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। खाद्य विभाग और आपूर्ति शाखा के अधिकारियों की चुप्पी से संदेह और गहराता जा रहा है। कुछ जनप्रतिनिधियों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यह गरीबों के अधिकारों का सीधा हनन है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा की प्रबंध समिति की बैठक

कोरबा। भारतीय रेडक्रास सोसायटी की प्रबंध समिति की बैठक का अयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभा कक्ष में किया गया। बैठक में रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों द्वारा रेडक्रास सोसायटी के आय-व्यय पर चर्चा किया साथ ही रेडक्रास दवाई दुकान का मासिक अंशदान, दुकान का अनुबंध, दवाईयों पर डिस्काउंट, प्रतिवर्ष अंशदान में वृद्धि, दवा दुकान के खुलने के समय, बैंक गारंटी तथा विभाग से एनओसी लेने, बिजली बिल संचालक को भुगतान करने संबंधी विषय पर चर्चा किया गया।

सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने वाले कोल इंडिया का अस्तित्व खतरे में : लक्ष्मा रेड्डी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

देश की सेवा में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने कोल इंडिया पिछले 50 वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहा है। एक जमाने में कंपनी ने 4 लाख 50 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया था। अब कंपनी का ही अस्तित्व खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। कंपनी में कार्यरत कोल कर्मियों की भी हालत बिगड़ते जा रही है।

उक्त बातें बीएमएस के राष्ट्रीय कोल प्रभारी के लक्ष्मा रेड्डी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। श्री रेड्डी शुक्रवार को जिले के एक दिवसीय प्रवास पर थे। इस दौरान श्री रेड्डी ने कहा कि इससे कंपनी को बचाने व कर्मियों की हालत सुधारने के लिए बीएमएस प्रतिबद्ध है। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ इसे लेकर लंबा आंदोलन चला रहा है। इसे दूर करने के लिए लंबे संघर्ष की जरुरत है। यही वजह है कि संघ द्वारा 23 जुलाई से 17 सितंबर तक चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। जिसमें गेट मिटिंग खदानों में कर्मियों के साथ बैठक फिर प्रभावित ग्रामीणों व व्यापारियों को जागरुक किया जाएगा। इसलिए सबको शामिल होना पड़ेगा। श्री रेड्डी ने कहा कि कोयला कंपनी हर साल उत्पादन बढ़ाने लगातार दबाव बना रहा है पर यह उतना आसान नहीं है। कंपनी को उत्पादन बढ़ाने दीर्घकालीन योजना बनानी होगी। कोल इंडिया ने इस वर्ष देश के कोयला उत्पादन में 75 प्रतिशत का योगदान दिया है। बांकी सिंगरौली 10 प्रतिशत व अन्य छोटी बड़ी कंपनियों के द्वारा किया गया है। पिछले वर्ष कोल इंडिया ने 781 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया। अब सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 1 अरब 4 मिलियन टन का टारगेट तय किया है जो संभव नजर नहीं आ रहा है। कंपनी मेन पावर कितना है, कितनी सुविधाएं दी जा रही हैं यह जानने की जरुरत नहीं समझता। कोलकर्मी दबाव में काम करने मजबूर हैं। यही वजह है कि कर्मी लक्ष्य को पूरा करने दबाव में काम करने को मजबूर हैं। वर्तमान में 80 प्रतिशत ठेका पद्धति और एमडीओ के माध्यम से उत्पादन हो रहा है। कोल कर्मियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। कोल इंडिया में पहले 6 लाख 50 हजार कर्मी थे जो अब 2 लाख रह गए हैं। इनमें भी 17 हजार अधिकारी शामिल हैं। अंधाधुंध उत्पादन के होड़ में शेफ्टी को भी नजर अंदाज किया जा रहा है। लंबे समय से कर्मचारियों की भर्ती नहीं की जा रही है। सभी क्षेत्रों में मेन पावर की कमी बनी हुई है। हर साल 4 से 5 हजार कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 10 साल बाद स्थिति क्या होगी इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। यही वजह है कि अब कोल इंडिया का अस्तित्व भी खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। कंपनी नीलामी के जरिये कोल ब्लॉक तो ले रही है पर इसका संचालन का जिम्मा निजी कंपनियों को दे रही है। निजी कंपनी एमडीओ मोड पर कोल ब्लॉक का संचालन कर रहे हैं ओर कंपनी केवल लाभ ले रही है। कंपनी को कोल ब्लॉक का स्वयं संचालन करना चाहिए। निजी कंपनियों में कैसी सुरक्षा दी जाएगी और कर्मियों से किस तरह काम करेंगे इसे देखने वाला कोई नहीं है। कंपनी ठेका श्रमिकों से काम ले रही है। श्रमिक डेंजर जोन में जाकर कोयला खनन कर रहे हैं। संगठन द्वारा लगातार ठेका श्रमिकों के बायोमैट्रिक हाजिरी की मांग कर रहा है पर अब तक बायोमैट्रिक हाजिरी की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में काम के दौरान अगर किसी ठेका श्रमिक की मौत हो गई तो यह कैसे पता चलेगा। हादसे के बाद क्लेम करने के लिए कोई प्रुफ नहीं है। गरीब मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। इस दौरान बीएमएस के केंद्रीय मंत्री आरएस जायसवाल, एकेबीएमएस के राष्ट्रीय महामंत्री सुजित सिंह, जिला महामंत्री रंजय, कंपनी वेल्फयर सदस्य महेंद्र पाल सिंह, बीएमएस के जिला मंत्री नवरतन बरेठ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ठेका श्रमिकों को निर्धारित दर पर नहीं होता भुगतान

कोल इंडिया द्वारा ठेका श्रमिकों के वेतन निर्धारण के लिए हाई पावर कमेटी एचपीसी बनाया गया है। जिसके अनुसार अकुशल कामगारों को रोजाना 1285 रुपए, अर्द्धकुशल को 1317 रुपए, कुल कामगारों को 1383 रुपए के दर से वेतन भुगतान करना है। श्री रेड्डी ने कहा कि मैं चैलेंज कर सकता हूं कि कोल मंत्रालय एक स्पेशल टीम भेजे और निरीक्षण कराये। आधे कर्मियों को भी निर्धारित दर पर वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसकी जांच होनी चाहिए। यह केवल कागजों पर ही दिखाई दे रहा है। कंपनी का पैसा तो खर्च हो रहा है पर बाकी पैसा कौन खा रहा है इसका पता नहीं चल रहा है। गरीब मजदूरों का लगातार शोषण हो रहा है जो वेजेस तय किया गया है वह नहीं मिल रहा है। वह भी माइनिंग एरिया में कार्यरत ठेका श्रमिकों को।

भूमिगत खदानों को भी चालू रखें

पहले बोला जाता था कि भूमिगत खदानों में ज्यादा हादसे होते हैं लेकिन अब खुली खदानों में भी लगातार हादसे हो रहे हैं। आप लोगों की जान जा रही है। डायरेक्टर जनरल माइंस एंड शेफ्टी (डीजीएमएस) विभाग क्या कर रहा है पता नहीं। कंपनी का मुख्य दायित्व सुरक्षा प्रदान करना है। ओपन कास्ट के माध्यम से अंधाधुंध उत्पादन से प्रदूषण बढ़ रहा है, प्रभावित ग्रामीणों को समस्या हो रही है। जबकि अंदर ग्राउंड में ऐसा नहीं होता। हमारी मांग है कि भूमिगत खदानों को बंद न करें, उन्हें भी चालू रखा जाए। इससे कम लेकिन लंबे समय तक कोयला उत्पादन किया जा सकेगा।

सरपंच- सचिव की लापरवाही से तीन सालों में नहीं बन पाई उरगा की प्राथमिक शाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरपाली

भारत भवन में बैठकर पढ़ते स्कूली बच्चे।

चाम्पा उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग 149 बी निर्माण के लिए एनएचएआई द्वारा भूमि का अधिग्रहण किया गया और मुआवजे की राशि शासन के खाते में भेज दिया गया और राजस्व विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण से प्रभावितों को उनकी पात्रता अनुसार मुआवजा वितरण किया गया। इसमें ग्राम पंचायत उरगा के कई शासकीय भवन का भी अधिग्रहण नेशनल हाइवे के निर्माण में हुआ जिसमें से शासकीय प्राथमिक शाला उरगा भी शामिल है। प्राथमिक शाला का मुआवजा आए लगभग तीन से चार वर्ष पूरे हो गए, लेकिन आज पर्यंत तक गाँव के बच्चों को उनका प्राथमिक शाला उपलब्ध नहीं हो पाया है। जिससे उनको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है और बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सरपँच व सचिव की लापरवाही सामने आ रही है, जो इस पर समय से ध्यान देते तो अभी तक विद्यालय बनकर संचालित भी होने लगता।

जानकारी के अनुसार पिछले तीन सालों से प्राथमिक शाला का संचालन ग्राम पंचायत उरगा के भारत भवन में हो रहा है। जहां बच्चों की शिक्षा व्यवस्था के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। प्राथमिक शाला की प्रधान पाठक मधुदास ने कहा कि भारत भवन में अध्यापन कार्य में बहुत समस्या हो रही है। प्रधान पाठक ने कहा गया कि बच्चों के लिए यहां सुविधाजनक शौचालय भी नहीं है, जुगाड़ लगाकर शौचालय चल रहा है। दूसरा मध्यान्ह भोजन ऊपर दूसरे मंजिल में बनाया जाता है, जिससे अत्यधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसी भवन में महिला बाल विकास विभाग के आजीविका मिशन (बिहान)) वालों का भी कार्यालय संचालन हो रहा है जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्राम पंचायत उरगा के सचिव भरतलाल श्रीवास ने कहा कि पूर्व में प्राथमिक शाला परिसर में ही आंगनबाड़ी भवन संचालित होता था, जिसका संयुक्त रूप से लगभग 27 लाख रुपये मुआवजा प्राप्त हुआ है। अब ग्राम पंचायत भवन के सामने ही प्राथमिक शाला भवन बनाने के लिए भूमि का चयन किया गया है, लेकिन बड़ी बात यह है कि तीन सालों में केवल स्थल चयन हुआ है।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन

कोरबा। एसईसीएल द्वारा अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों की शिकायतों के प्रभावी एवं सुनियोजित समाधान हेतु मिशन संबंध के अंतर्गत शिकायत निवारण प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। निदेशक (मानव संसाधन) एसईसीएल बिरंची दास ने इस दौरान कहा कि शिकायत निवारण प्रकोष्ठ केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि कर्मचारियों और हितधारकों के प्रति हमारी जवाबदेही और विश्वास का प्रतीक है।

हरिभूमि नं. 1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत 722 हितग्राहियों को स्वीकृत हुए आवासगृह

महापौर ने 46 हितग्राहियों को प्रदान किया आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 मोर जमीन-मोरी मकान बीएलसी घटक के 46 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं भवन निर्माण अनुमति पत्र प्रदान किया गया। महापौर एवं निगम आयुक्त ने हितग्राहियों को समयसीमा में मकानों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्य पूर्ण करने की सलाह दी।

महापौर एवं निगम आयुक्त हितग्राही को अनुज्ञा पत्र देते हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मोर जमीन-मोर मकान बीएलसी घटक अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत वर्तमान में 722 नए हितग्राहियों को आवासगृहों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में 46 हितग्राहियों को आवासगृहों के स्वीकृति पत्र व भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र प्रदान किया। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ-साथ विशेष रूप से गरीब, निर्धन व आर्थिक रूप से पिछडे.हुए लोगों के उत्थान के लिए, उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सत्ता की बागडोर संभालते ही छत्तीसगढ़ के 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी थी। उनके द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के अंतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि ऐसे हितग्राहियों को दी जा रही है, जिनके द्वारा 18 माह के अंदर भवन का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि आपके वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारी आपका पूरा सहयोग करेंगे, आप समय-समय पर अपनी समस्याएं उन्हें अवश्य बताएं। इस दौरान निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि आप लोग मकान का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करें तथा समयसीमा में मकान का निर्माण करा लें ताकि अतिरिक्त राशि भी आपको प्राप्त हो सके। आयुक्त श्री पाण्डेय ने कहा कि निगम प्रशासन की ओर से सभी हितग्राहियों को पूरा सहयोग मिलेगा, आपको समय पर किश्त राशि का भुगतान प्राप्त हो, यह सुनिश्चित कराया जाएगा।

मिलेंगे ढाई लाख रूपए

हितग्राहियों को आवासगृह निर्माण हेतु शासन से 2 लाख 50 हजार रूपये की राशि प्राप्त होगी, जो चार किश्तों में दी जाएगी, प्रथम किश्त में 63 हजार रूपये, द्वितीय किश्त में 87 हजार रूपये, तृतीय किश्त में 65 हजार रूपये एवं चतुर्थ किश्त में 35 हजार रूपये की राशि हितग्राहियों को प्राप्त होगी, इसके अतिरिक्त 18 माह के अंदर उनके द्वारा आवासगृह का निर्माण पूर्ण कर लेने पर छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजनांतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि भी हितग्राहियों के मिलेगी।

online Booking:-www.tripuryatra.com

रिजर्वेशन कोच
10 सितंबर, 24 सितंबर, 01 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 12 नवम्बर, 10 दिसम्बर, 17 दिसम्बर 2025 (11 दिन)
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री द्वारिकाभेंट, श्री शिरडी सांई बाबा, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, घृनेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, श्री शनि सिंघनापुर
राशि:-स्लीपर-16,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411